मेरी वाग्दता पत्नी मेरे ही अनुत्साह से आज मेरी नहीं रही । नहीं, यह शील का कपट, मोह और प्रवचंना है । मैं जो हूँ, वही तो नहीं स्पष्ट रूप से प्रकट कर सका । यह कैसी विडंबना है ।

(ग) ध्रुवस्वामिनी – भूल है-भ्रम है । (ठहरकर) किन्तु उसका कारण भी है । पराधीनता की एक परम्परा-सी उनकी नस-नस में उनकी चेतना में न जाने किस युग से घुस गयी है । उन्हें समझ कर भी भूल करनी पड़ती है । क्या वह मेरी भूल न थी-जब मुझे निर्वासित किया गया, तब मैं अपनी आत्म-मर्यादा के लिए कितनी तड़प रही थी और राजाधिराज रामगुप्त के चरणों में रक्षा के लिए गिरी; पर कोई उपाय चला ? नहीं। पुरुषों की प्रभुता का जाल मुझे अपने

No. of Printed Pages : 10 Roll No. .....

32002

B.A. & Hons. (Subsidiary)/B.T.M.

EXAMINATION, 2025

(Second Semester)

(Re-appear Only)

HINDI (Compulsory)

Time : 3 *Hours*] [*Maximum Marks :* 80

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6×2=12**

(क) मंदाकिनी - मैं तुम लोगों की नीचता की गाथा सुना रही हूँ । अनार्य! सुन नहीं सकते ? तुम्हारी प्रवंचनाओं ने जिस नरक की सृष्टि की है उसका अन्त समीप है । यह साम्राज्य किसका है ? आर्य समुद्रगुप्त ने किसे युवराज बनाया था ? चन्द्रगुप्त को या इस क्लीव रामगुप्त को ? जिसने छल और बल से विवाह करके भी इस नारी को अन्य पुरुष की अनुरागिनी बताकर दण्ड देने के लिये आज्ञा दी है । वही रामगुप्त, जिसने कायर पुरुषों की तरह इस स्त्री को शत्रु के दुर्ग में बिना विरोध किये भेज दिया था, तुम्हारे गुप्त सम्राज्य का सम्राट है । और यह ध्रुवस्वामिनी ! जिसे

कुछ दिनों तक तुम लोगों ने महादेवी कहकर सम्बोधित किया है, वह क्या है ? कौन है ? और उसका कैसा अस्तित्व है ? कहीं धर्मशास्त्र हो तो उसका मुँह खुलना चाहिए । ।

(ख) चन्द्रगुप्त - विधान की स्याही का एक बिन्दु गिरकर भाग्यलिपि पर कालिमा चढ़ा देता है । मैं आज यह स्वीकार करने में भी संकुचित हो रहा हूँ कि ध्रुवदेवी मेरी है । (ठहरकर) हाँ, वह मेरी है, उसे मैंने आरम्भ से ही अपनी सम्पूर्ण भावना से प्यार किया है । मेरे हृदय के गहन अंतस्तल से निकली हुई यह मूक स्वीकृति आज बोल रही है । मैं पुरुष हूँ ? नहीं, मैं अपनी आँखों से अपना वैभव और अधिकार दूसरों को अन्याय से छीनते देख रहा हूँ और

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : **5×2=10**

(क) भक्तिकालीन युग की सामाजिक परिस्थितियों पर टिप्पणी कीजिए

(ख) भक्तिकालीन युग की सांस्कृतिक परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए ।

(ग) कृष्ण काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

(घ) संत काव्य में 'गुरु की महत्ता' पर प्रकाश डालिए ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5×2=10**

(क) हिन्दी वर्तनी के मानकीकरण की समस्या एवं समाधानों का उल्लेख कीजिए ।

निर्दिष्ट पथ पर ले ही आया । मन्दा! दुर्ग की विजय मेरी सफलता है या मेरा दुर्भाग्य, इसे मैं नहीं समझ सकी हूँ । राजा से मैं सामना करना नहीं चाहती । पृथ्वी-तल से जैसे एक साकार घृणा निकलकर मुझे अपने पीछे लौट चलने का संकेत कर रही है । क्यों, क्या यह मेरे मन का कलुष है ।

(घ) कोमा – रानी, तुम भी स्त्री हो । क्या स्त्री की व्यथा न समझोगी ? आज तुम्हारी विजय का अन्धकार तुम्हारे शाश्वत स्त्रीत्व को ढँक ले, किन्तु सबके जीवन में एक बार प्रेम की दीपावली जलती है । जली होगी अवश्य! तुम्हारे भी जीवन में वह आलोक का महोत्सव आया होगा, जिसमें हृदय को पहचानने का प्रयत्न करता

है, उदार बनता है और सर्वस्व दान करने का उत्साह रखता है । मुझे शकराज का शव चाहिए ।

2. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्र योजना पर प्रकाश डालिए । **8**

अथवा

रंगमंच और अभिनेयता की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग **150** शब्दों में) : **4×4=16**

(क) 'ध्रुवस्वामिनी' का चरित्र-चित्रण

(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में नारी समस्या

(ग) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद-योजना

(घ) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की भाषा-शैली

(ङ) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की गीत-योजना

(च) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **8×2=16**

(क) भक्तिकालीन हिन्दी साहित्य को स्वर्ण क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) कृष्णकाव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

(ग) संत काव्य के वैचारिक आधारों को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) रामकाव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) मात्रा के आधार पर स्वर के तीन भेद कौनसे हैं ?

(च) 'आँख' शब्द में अनुस्वार का प्रयोग हुआ है या अनुनासिक का ?

(छ) भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है ?

(ज) क्या हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है ?

(ख) मातृभाषा और मानक भाषा में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) भाषा की परिभाषा देते हुए इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) मानक भाषा की विशेषताएँ बताइए ।

7. निम्नलिखित सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1×8=8**

(क) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में कुल कितने अंक हैं ?

(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में किस राजवंश की कथा का वर्णन है ?

(ग) संत काव्यधारा का दूसरा नाम क्या है ?

(घ) सूफी संप्रदाय में ईश्वरप्राप्ति का एकमात्र साधन किसे माना गया है ?